तीनदिवसीय जनजाति महोत्सव का शुभारंभ

चर्चा में क्यों?

11 नवंबर, 2021 को जनजाति समुदाय के स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा के जन्मदिन (15 नवंबर) के अवसर व उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में जनजाति कार्य मंत्रालय, भारत सरकार और जनजाति शोध संस्थान संग्रहालय उत्तराखंड द्वारा डॉ. बी.आर. अम्बेडकर ओ.एन.जी.सी. स्टेडियम में आयोजित तीनदिवसीय उत्तराखंड जनजाति महोत्सव का केंद्रीय जनजाति कल्याण मंत्री अर्जुन मुंडा व मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुभारंभ किया।

प्रमुख बिंदु

- इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि उत्तराखंड जनजाति महोत्सव के माध्यम से सभी जनजातियों को एक मंच मिला है। इस आयोजन में जनजातियों के लोक जीवन, सांस्कृतिक विरासत, लोक एवं परंपराओं को भी जीवंतता मिली है।
- इस महोत्सव के दौरान केंद्रीय जनजाति मंत्री ने मुख्यमंत्री के आग्रह के बाद उत्तराखंड के सीमांत ज़िले चमोली और पिथौरागढ़ में जनजाति समुदाय के छात्रों के लिये दो नए एकलव्य विद्यालय खोलने व जनजातीय विद्यालयों में अध्ययनरत करीब पाँच हज़ार छात्रों को केंद्र की ओर से टैबलेट प्रदान किये जाने की घोषणा की।
- इसके अलावा केंद्रीय मंत्री ने प्रदेश में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय की स्थापना के लिये जल्द ही प्रस्ताव भेजने को कहा।
- महोत्सव में उत्तराखंड की पाँच जनजाति (जौनसारी, भोटिया, बुक्सा, थारू और राजी) समेत अन्य राज्यों के जनजाति समुदाय भी शिरकत कर रहे हैं। उत्तराखंड के ये पाँच जनजाति समुदाय प्रदेश के विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। संस्कृति और परंपरा का संरक्षण हो या प्रकृति के साथ रहकर ज्ञान-विज्ञान की सीख देना हो, सभी क्षेत्रों में जनजाति समुदाय उदाहरण पेश करते हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/three-day-tribal-festival-inaugurated